राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर रखे पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 ओडिशा रेल हादसे पर दुनियाभर के नेताओं ने जताया दुख..... जब आप देश के बाहर होते हैं तो राजनीति पीछे रह जाती है, विदेश..... 12

वर्ष : 13 | अंक : 379 | नई दिल्ली, सोमवार, 05 जून, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

ट्रेन हादसे की वजह की पहचान हुई, पटरी बुधवार तक ठीक कर दी जाएगी : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, एजेंसी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कहा कि ओडिशा के बालासोर जिले में ट्रेन हादसे की असल वजह की पहचान कर ली गई है और हादसे से प्रभावित हुई पटरियों की सामान्य सेवाओं के लिए बुधवार तक मरम्मत कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हादसे की वजह प्वाइंट मशीन और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली से संबंधित है। वैष्णव ने इस घटना का कवच प्रणाली से कोई संबंध होने से इनकार किया। रेलवे अपने नेटवर्क में कवच प्रणाली उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में है, ताकि रेलगाड़ियों के आपस में टकराने से होने वाले हादसों को रोका जा सके। गौरतलब है कि बालासोर में बाहानगा बजार रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार शाम करीब सात बजे कोरोमंडल एक्सप्रेस मुख्य लाइन के बजाय लूप लाइन में प्रवेश करने के बाद वहां खड़ी एक मालगाड़ी से टकरा गई थी। इस हादसे की चपेट में बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस भी आ गई थी। इस दुर्घटना में कम से कम 288 लोगों की मौत हुई है और 1,100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। रेल मंत्री ने कहा, दुर्घटना की जांच पूरी कर ली गई है और रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) जैसे ही अपनी रिपोर्ट देंगे तो सभी जानकारियां पता चलेंगी। उन्होंने कहा, इस भीषण घटना की असल वजह की पहचान कर ली गई है...मैं इस पर विस्तार से बात नहीं करना

चाहता। रिपोर्ट आने दीजिए। मैं सिर्फ यह कहूंगा कि असल वजह और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर ली गई है। उन्होंने यह भी कहा कि रेल दुर्घटना के करीब 300 पीड़ितों को मुआवजा दिया गया है। उन्होंने कहा, हमने सीरो हॉस्पिटल में मरीजों और चिकित्सकों से मुलाकात की। हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु, रांची, कोलकाता तथा अन्य स्थानों से विशेष ट्रेन चलाई जा रही हैं ताकि मरीज इलाज के बाद घर लौट सकें। दुर्घटनास्थल पर पत्रकारों से बातचीत में वैष्णव ने कहा कि मरम्मत का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है और एक मुख्य लाइन पर पटरियां पहले ही बिछाई जा चुकी हैं। वैष्णव ने कहा, हमने सभी संसाधनों को काम पर लगाया है। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि कवच प्रणाली का इस दुर्घटना से कोई संबंध नहीं है। यह हादसा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली में बदलाव की वजह से हुआ। ममता बनर्जी (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री) की टिप्पणी सही नहीं है। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि सिग्नल दिया गया था और ट्रेन संख्या 12841 (कोरोमंडल एक्सप्रेस) को अन्य मेन लाइन के लिए रवाना किया गया था, लेकिन ट्रेन अप लूप लाइन में प्रवेश कर गई और लूपलाइन पर खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई तथा पटरी से उतर गई। इस बीच, ट्रेन संख्या 12864 (बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस) डाउन मेन लाइन से गुजरी और उसके दो डिब्बे पटरी से उतर गए तथा पलट गए।

मौसम

अधिकतम तापमान 34.0°C

न्यूनतम तापमान 19.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	61,940
चांदी	73,000
सेंसेक्स	62,969
निफ्टी	18,633

इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम में बदलाव ट्रेन दुर्घटना का कारण : वैष्णव

नई दिल्ली, एजेंसी

भुवनेश्वर/नई दिल्ली, 04 जून (वेब वार्ता)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ओडिशा में बालासोर जिले के बहानगा में शुक्रवार को हुए भीषण ट्रेन हादसे के लिए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम में बदलाव को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि दुर्घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर ली गई है। राज्य मुख्य सचिव पी के जेना ने रविवार को दुर्घटना में 275 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक शव की दो बार गिनती और गिनती के दौरान कुछ अन्य गलतियों के कारण शनिवार को मृतकों की संख्या 288 हो गई थी। श्री जेना ने कहा कि अब तक 275 शवों में से 88 की पहचान की जा चुकी है। मुख्य सचिव ने कहा कि 170 शवों को पहचान के लिए भुवनेश्वर लाया गया और बाद में मृतकों के परिजनों और रिश्तेदारों को सौंप दिया गया जबकि

17 और शवों को लाने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि 88 शवों में से 78 को पहले ही उनके रिश्तेदारों को सौंप दिया गया है और बाकी 10 शवों को उनके रिश्तेदारों को सौंपने का प्रयास किया जा रहा है। रेल मंत्री ने मीडियाकर्मियों से कहा कि दुर्घटना के मूल कारण की पहचान कर ली गई है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की भी पहचान कर ली गई है। हादसे की जांच पूरी हो चुकी है और रेल सुरक्षा आयोग जल्द ही अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। उन्होंने कहा कि दुर्घटना इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम में बदलाव के कारण हुई और रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बहानगा रेलवे स्टेशन पर मरम्मत का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। श्री वैष्णव, जो दुर्घटना स्थल पर मौजूद हैं और व्यक्तिगत रूप से शनिवार से बहाली के काम की निगरानी कर रहे हैं, ने कहा कि बहाली का काम पूरा करने और बुधवार सुबह तक ट्रेन की आवाजाही को सामान्य करने का लक्ष्य रखा गया है। मरम्मत कार्य में करीब एक हजार कर्मचारी लगे हुए हैं। शालीमार-चेन्नई कॉर्मिडल एक्सप्रेस शुक्रवार शाम बालासोर जिले के बहानगा रेलवे स्टेशन पर एक मालगाड़ी और बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस से टकरा गई जिसके कारण यह हादसा हुआ। रेल मंत्री की मौजूदगी में शनिवार देर रात करीब 21 क्षतिग्रस्त डिब्बों को पटरी से हटाया गया। ट्रैक को साफ कर दिया गया है और वर्तमान में दुर्घटना में पूरी तरह क्षतिग्रस्त करीब 1000 मीटर लंबाई का नया ट्रैक बिछाने का काम चल रहा है। बिजली के खंभों को ठीक करने और ओवरहेड वायर को ठीक करने का काम भी चल रहा है। इस बीच, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ताजा स्थिति, खासकर घायलों के इलाज के बारे में जानकारी दी। श्री पटनायक ने आश्वासन दिया है कि ओडिशा के विभिन्न अस्पतालों में घायल यात्रियों की जान बचाने के लिए हर संभव कदम उठाए गए हैं। डॉक्टर और मेडिकल छात्र घायलों की जान बचाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि घायल व्यक्तियों के लिए रक्तदान करने के लिए डॉक्टर, छात्र और आम लोग सामने आगे आ रहे हैं।श्री पटनायक ने कहा,ह्लहर जीवन कीमती है।ह्वचाव अभियान से लेकर घायलों को अस्पतालों तक ले जाने, इलाज की व्यवस्था करने तक, हम जान बचाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। श्री पटनायक ने पीड़ितों के लिए अनुग्रह राशि की भी घोषणा की। यह राशि मुख्यमंत्री राहत कोष से दी जाएगी और केवल ओडिशा के यात्रियों के परिजनों को सहायता राशि दी जाएगी। मृतक के परिजनों को पांच लाख रुपये और गंभीर रूप से घायल लोगों को एक लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जायेगी।

'क्या प्रधानमंत्री की छवि सुधारने में व्यस्त थे रेल मंत्री?' हादसे पर सरकार से कांग्रेस के नौ सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने रविवार को पीएम मोदी से बालासोर ट्रेन हादसे को लेकर नौ सवाल पूछे हैं। सुरजेवाला ने अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की मांग की है। एक इंटरव्यू में उन्होंने रेल मंत्री से पूछा कि आखिर सिग्नल सिस्टम के बारे में दी गई चेतावनी पर उन्होंने लापरवाही क्यों दिखाई? अधिकारियों ने फरवरी में एक रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें उन्होंने रेलवे को इंटरलॉकिंग विफलता को लेकर आगाह किया था। एक ट्वीट में निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने आगाह किया था कि अगर सिग्नल सिस्टम की निगरानी या उन्हें दुरुस्त नहीं किया गया तो इससे दुर्घटनाएं हो सकती हैं। बावजूद इसके रेल मंत्री और रेल मंत्रालय शांत क्यों रहा, उन्होंने क्यों लापरवाही दिखाई? सरकार पर साधा निशाना : सुरजेवाला ने कहा कि क्या यह सच है कि रेल मंत्री सुरक्षा से ज्यादा प्रधानमंत्री की छवि सुधारने और उनकी मार्केटिंग करने में व्यस्त थे? क्या रेल मंत्री यात्रियों की

सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय पीएम से वंदे भारत को हरी झंडी दिखवाने और रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण में व्यस्त थे? उन्होंने कहा कि क्या रेल मंत्री राजस्व बढ़ाने में व्यस्त थे? क्या इसी वजह से रेल मंत्री ने दो जून को होने वाले रेल सुरक्षा के चिंता शिविर को छोड़ा क्योंकि उनका ध्यान वंदे भारत लॉन्च करने पर था? रोज दो करोड़ से अधिक लोग करते हैं सफर : राज्यसभा सांसद सुरजेवाला ने सरकार से सवाल किया है कि रेल मंत्री को आईटी और टेलीकॉम जैसे बड़े विभाग क्यों दिए गए, क्या रेलवे प्राथमिक नहीं हो सकता था? राज्यसभा सांसद ने रेलवे में खाली पड़े पदों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि मानव संशाधनों की कमी से रेलवे जूझ रहा है। तो कैसे बिना कर्मचारियों के रेलवे प्रभावी रूप से सफल काम कर पाएगा? उन्होंने कहा कि क्यों कवच लागू नहीं किया गया? बता दें, भारतीय रेलवे के साथ रोजाना दो करोड़ 20 लाख लोग सफर करते हैं। बालासोर हादसे में अवतक का अपडेट : ओडिशा के बालासोर के बहनागा बाजार में शुक्रवार को हुए रेल हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 288 तक पहुंच गई है। 1175 घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया, इनमें से 793 को छुट्टी दे दी गई और 382 का इलाज चल रहा है। दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। रेलवे ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख, गंभीर रूप से घायलों को दो लाख रुपये और अन्य घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद ओडिशा पहुंचे। इस दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहे और उन्होंने हालात का जायजा लिया।

मोदी ने आज फोन पर पटनायक से ताजा स्थिति की ली जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेल दुर्घटना संकट के दौरान त्वरित और कुशल कार्रवाई के लिए ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि श्री मोदी ने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर केंद्र किसी भी तरह की सहायता देने को तैयार है। प्रधानमंत्री ने संकट की इस घड़ी में जिस तरह के सहयोग और समय पर मदद के लिए ओडिशा के लोगों की भी प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि ओडिशा के विभिन्न अस्पतालों में घायल यात्रियों की जान बचाने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। डॉक्टर, मेडिकल छात्र जान बचाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। घायल व्यक्तियों के लिए रक्तदान करने के लिए डॉक्टर, छात्र और आम लोग आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसी नीति का पालन करते हैं जो ह्लहर जीवन कीमती है।ह्व को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि बचाव अभियान से लेकर घायलों को अस्पताल ले जाने, इलाज की व्यवस्था करने तक, हम जान बचाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने ताजा स्थिति के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि विभिन्न अस्पतालों में 1175 मरीज भर्ती हैं, जिनमें से 793 को छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर घायल मरीजों की हालत स्थिर है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 382 यात्रियों का विभिन्न सरकारी और निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री पटनायक ने बहनागा ट्रेन ह्रादसे के पीड़ितों के लिए आज अनुग्रह राशि की घोषणा की। मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मृतक के परिजनों को पांच लाख रुपये और गंभीर रूप से घायल लोगों को एक लाख रुपये की सहायता मिलेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अनुग्रह सहायता केवल ओडिशा के पीड़ितों के लिए लागू है। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना भी व्यक्त की है और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। शुक्रवार की ट्रेन त्रासदी के पीड़ितों का भुवनेश्वर और बालासोर के बीच विभिन्न सरकारी और निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। चिंताजनक बात यह है कि 200 से ज्यादा शवों की अब तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। लोगों से अनुरोध किया गया है कि कृपया इस दी गई वेबसाइट से फोटो लें और हाइलाइट करें ताकि रिश्तेदार और परिजन की पहचान कर सकें।

ओडिशा ट्रेन हादसा: पीएम मोदी ने अश्विनी वैष्णव को किया फोन, मरम्मत कार्य का लिया जायजा

नई दिल्ली, एजेंसी

रेल मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बालासोर ट्रिपल ट्रेन दुर्घटना स्थल पर मरम्मत कार्य की प्रगति का जायजा लेने के लिए मुलाकात की. विशेष रूप से, वैष्णव दुर्घटनास्थल पर मौजूद हैं और बहाली कार्य का जायजा ले रहे हैं। इससे पहले आज वैष्णव ने कहा था कि ओडिशा के बालासोर में बहाली का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। पीएम मोदी ने शनिवार को खुद ओडिशा के बालासोर में दुर्घटनास्थल पर जाकर स्थिति का जायजा लिया था. पीएम मोदी ने एक ट्वीट में कहा, ओडिशा में त्रासदी स्थल पर स्थिति का जायजा लिया। शब्द मेरे गहरे दुख को व्यक्त नहीं कर सकते। हम प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं उन सभी लोगों की सराहना करता हूं जो काम कर रहे हैं. प्रधानमंत्री के साथ केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी थे। दुर्घटनास्थल का दौरा करने के बाद, पीएम मोदी ने फकीर मोहन अस्पताल, बालासोर का दौरा किया, जहां कुछ घायल यात्रियों को भर्ती कराया गया है. हादसे में जीवित बचे लोगों से मिलने के बाद उन्होंने कहा कि हादसे की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और दोषी पाए जाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा. हादसे की समीक्षा के लिए पीएम मोदी ने एक हाईलेवल मीटिंग भी बुलाई थी पीएम मोदी ने कहा, यह एक दर्दनाक घटना है. हम दुर्घटना में मारे गए लोगों को वापस लाने में सक्षम नहीं हो सकते हैं लेकिन दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ हैं. सरकार ने इस घटना को बहुत गंभीरता से लिया है और कोई कसर नहीं छोड़ेगी.ह्व घायलों के इलाज में, इस घटना की जांच करने और दोषी पाए जाने वालों को बख्शा नहीं जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस बीच, आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार रात हुए इस हादसे में 288 लोगों की मौत हो गई और 1000 से अधिक लोग घायल हो गए। बालासोर जिले के बहनागा बाजार स्टेशन पर तीन अलग-अलग पटरियों पर तीन-तरफा दुर्घटना में बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, कोरोमंडल एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी शामिल थी। रेल मंत्रालय के अनुसार, बहाली का काम जोरों पर चल रहा है और अधिकारी दुर्घटना स्थल पर बहाली प्रक्रिया की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं।

अमित शाह ने की पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात, भाजपा और तेदेपा के साथ आने की अटकलें

नई दिल्ली, एजेंसी

गृहमंत्री अमित शाह और आंध्रप्रदेश के पूर्व सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार शाम मुलाकात की। नायडू के आवास पर हुई मीटिंग करीब एक घंटे चली, जिसमें कई मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके बाद से ही अफवाहें उड़ रही हैं कि दोनों पार्टियां 2024 चुनाव एक साथ लड़ सकते हैं। हालांकि, पार्टी के नेताओं ने गठबंधन पर कुछ भी टिप्पणी करने से मना किया है। प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ पार्टी के एक नेता ने बताया कि टीडीपी ने 2018 में भाजपा के सत्ता में आते ही एनडीए का साथ छोड़ दिया था। जबकि, अब पार्टी ने कई बार संकेत दिए कि वे भाजपा के साथ गठबंधन चाहते हैं। एक बयान में नायडू ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास एक विजन है। वह भारत के सम्मान को वैश्विक स्तर पर मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि देश को मजबूत करने की इस राह पर वह भी पीएम मोदी के साथ काम करना चाहते हैं। आंध्र प्रदेश को नजरअंदाज किया साल 2018 में, आंध्र प्रदेश को खास राज्य का दर्जा न देने से नायडू केंद्र से नाराज थे। इसलिए उन्होंने एनडीए से नाता तोड़ दिया था। उस दौरान नायडू ने कहा कि बजट में आंध्र प्रदेश को नजरअंदाज किया गया है, जिस वजह से उन्होंने गठबंधन तोड़ने का निर्णय लिया है। अगर, दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन होता है तो भाजपा आंध्र प्रदेश सहित दक्षिण के राज्यों में अपने कदम फैला सकती है। टीडीपी तेलंगाना में विपक्ष के रूप में मजबूत है। जबकि टीडीपी आंध्र प्रदेश में बड़ी जातियों के समर्थन के लिए संघर्ष कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति मुर्मू सूरीनाम और सर्बिया की यात्रा पर रवाना

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज सूरीनाम और सर्बिया की पहली राजकीय यात्रा के लिए रवाना हुई। राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद यह उनकी पहली राजकीय यात्रा है। राष्ट्रपति मुर्मू सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी के नियंत्रण पर चार से छह जून तक पारामारिबो में रहेंगी। अपनी यात्रा के दूसरे चरण में वह सात से नौ जून तक सर्बिया की यात्रा पर जायेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू सूरीनाम में भारतीयों के आगमन की 150वीं वर्षगांठ के मौके पर पांच जून को आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि होंगी। इस दौरान राष्ट्रपति सुरीनाम के अपने समकक्ष संतोखी के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगी। वह ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थानों का भी दौरा करेंगी और भारतीय समुदाय के सदस्यों और प्रवासियों के साथ बातचीत करेंगी।

रेल हादसा: कोर्ट पहुंचा मामला; जज की अध्यक्षता में समिति बनाकर जांच की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

ओडिशा रेल हादसे का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। मामले की जांच को लेकर कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ पैनल बनाया जाए, जो बालासोर ट्रेन दुर्घटना की जांच करे। जनहित याचिका में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल प्रभाव से भारतीय रेलवे में स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली (जिसे कवच सुरक्षा प्रणाली कहा जाता है) के कार्यान्वयन के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की मांग भी की गई है। ओडिशा: मुख्यमंत्री ने किया मुआवजे का एलान ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बालासोर के पास बाहानगा बाजार में हुए रेल हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को रविवार को पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का एलान किया। सहायता मुख्यमंत्री राहत कोष से दी जाएगी। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने कहा कि मृतकों के आश्रितों को पांच-पांच लाख रुपये, जबकि हादसे में घायल हुए लोगों को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। इससे पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की थी।कैसे हुआ हादसा? रेलवे की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, बाहानगा बजार रेलवे स्टेशन के पास कोरोमंडल एक्सप्रेस मुख्य लाइन के बजाय लूप लाइन में प्रवेश करने के बाद वहां खड़ी एक मालगाड़ी से टकरा गई थी।

रेल हादसा मंगलवार से पहले सामान्य नहीं हो सकेगी परिसेवा.....

ओडिशा रेल हादसा: रेलवे का प्रारंभिक अनुमान, सिग्नल की समस्या से हुई भीषणतम रेल दुर्घटना

नई दिल्ली, एजेंसी

रेलवे ने ओडिशा के बालेश्वर के पास हुई रेल दुर्घटना की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी है। दक्षिण पूर्व रेलवे के सुरक्षा आयुक्त की निगरानी में यह जांच हो रही है। प्रारंभिक तौर पर दावा किया जा रहा है कि सिग्नल की समस्या की वजह से यह दुर्घटना हुई है। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अप मेन लाइन में ग्रीन सिग्नल दिया गया था लेकिन ट्रेन उस पटरी पर न जाकर बगल में लूप लाइन पर खड़ी मालगाड़ी वाली पटरी पर चढ़ कर टकरा गई, जिसकी वजह से कोरोमंडल एक्सप्रेस बेपटरी होकर दुर्घटनाग्रस्त हुई। यह भी पता चला है कि डाउन लाइन से सर एम विश्वेश्वरैया हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस बालेश्वर की ओर जा रही थी। उस ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतर गए थे। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि मेन लाइन पर ग्रीन सिग्नल होने के बावजूद ट्रेन लूप लाइन पर कैसे गई। दावा किया जा रहा है कि सिग्नल देने में समस्या हुई थी जिसकी वजह से दुर्घटना हुई है। बहरहाल रेलवे की ओर से भी अंतरिम रिपोर्ट जारी होने का इंतजार किया जा रहा है। इस बीच शुक्रवार शाम 7:00 बजे के करीब

दुर्घटना के बाद से ही दक्षिण भारत की ओर जाने वाली सभी ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। यहां तक कि दिल्ली, मुंबई और अन्य क्षेत्रों से भी पुरी आने वाली ट्रेनों को रद्द करना पड़ा है। ऐसे में रेल सेवाएं कब तक सामान्य होंगी, इसे लेकर भी लगातार सवाल पूछे जा रहे हैं। रेलवे के एक अधिकारी ने रविवार सुबह बताया कि मंगलवार से पहले ट्रेन सेवाएं सामान्य होने की संभावना नहीं है। दक्षिण पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी आदित्य कुमार ने बताया कि दुर्घटना के बाद रेल सेवाएं सामान्य करने के लिए एक हजार मजदूरों की मौके पर लगाया गया है। सात पोकलेन मशीनें काम कर रही हैं। दो एआरटी दुर्घटनास्थल पर मौजूद हैं। 1400 टन का रेलवे क्रेन भी लगातार काम कर रहा है। तीन रोड क्रेन काम कर रहे थे और रात को एक और रोड क्रेन को लगाया गया है। पटरी को दोबारा सामान्य कर रेल यातायात सुचारू करने के लिए कोशिशें हो रही हैं लेकिन सबकुछ पहले की होने के बाद भी तकनीकी जांच में वक्त लगेगा। काम ठीक से हुआ है या नहीं, इस पर फिर ट्रेन चलाने से कोई दुर्घटना तो नहीं होगी, इसकी जांच पुख्ता करने के बाद ही सेवाएं सामान्य की जा सकेंगी। इसलिए मंगलवार से पहले इसके सामान्य होने की संभावना नहीं है। तब तक दक्षिण भारत जाने वाली सभी ट्रेनों को रद्द रखना ही पड़ेगा।